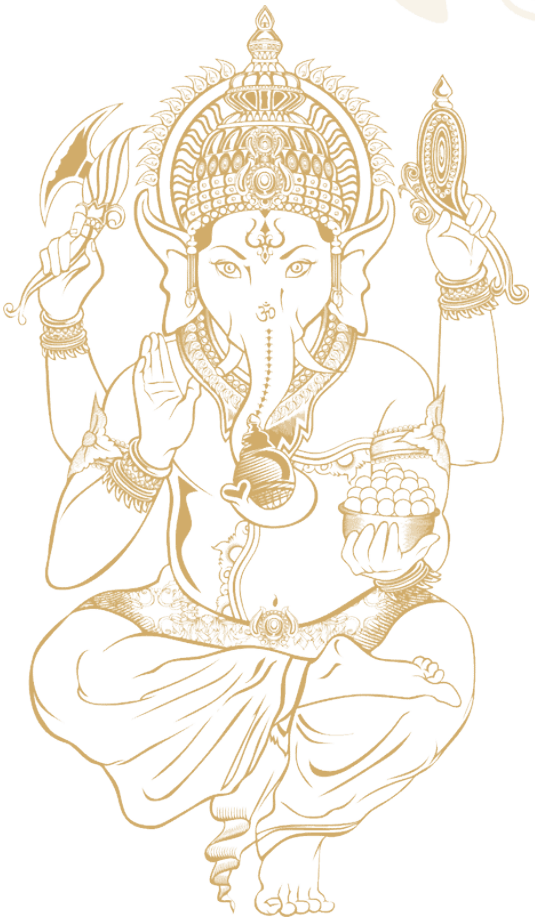

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/02/2026	जन्म तिथि	01/02/2026
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 20:12:00	जन्म समय	20:12:00 घंटे
घटी 32:35:56	जन्म समय(घटी)	32:35:56 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:09:37	सूर्योदय	07:09:37
18:00:08	सूर्यास्त	18:00:08
24:13:25	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:25

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 3वर्ष 2मा 1दि	17:47:32	सिंह	लग्न	सिंह	17:47:32	शनि 3वर्ष 2मा 1दि
शनि	18:31:22	मक	सूर्य	मक	18:31:22	शनि
01/02/2026	14:26:28	कर्क	चंद्र	कर्क	14:26:28	01/02/2026
05/04/2029	12:59:02	मक	मंगल	मक	12:59:02	05/04/2029
00/00/0000	26:20:01	मक	बुध	मक	26:20:01	00/00/0000
00/00/0000	23:04:09	मिथु व	गुरु व	मिथु	23:04:09	00/00/0000
00/00/0000	24:43:22	मक	शुक्र	मक	24:43:22	00/00/0000
00/00/0000	04:28:40	मीन	शनि	मीन	04:28:40	00/00/0000
00/00/0000	14:51:40	कुंभ व	राहु व	कुंभ	14:51:40	00/00/0000
00/00/0000	14:51:40	सिंह व	केतु व	सिंह	14:51:40	00/00/0000
01/02/2026	03:14:20	वृष व	हर्ष व	वृष	03:14:20	01/02/2026
राहु 22/09/2026	05:56:00	मीन	नेप	मीन	05:56:00	राहु 22/09/2026
गुरु 05/04/2029	09:29:34	मक	प्लूटो	मक	09:29:34	गुरु 05/04/2029

लग्न-चलित

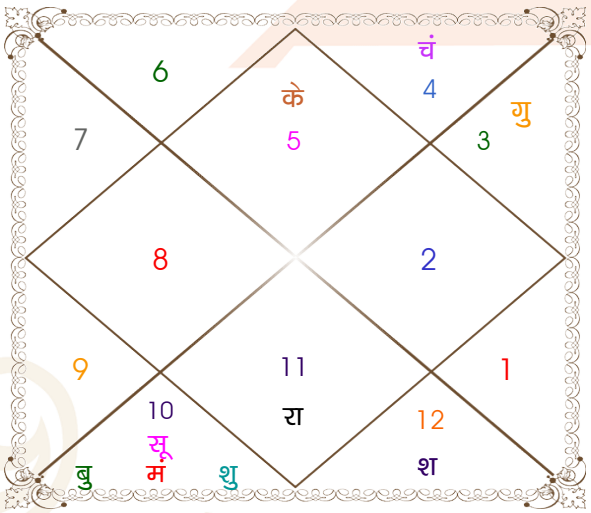

लग्न-चलित

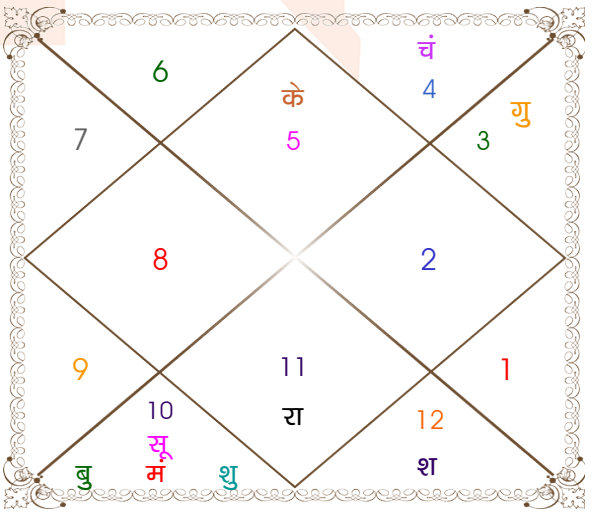

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	मेष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	चन्द्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr. का नक्षत्र पुष्य है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms. का नक्षत्र पुष्य है।

Mr. का वर्ग श्वान है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।